दो दिवसीय कॉन्फ्रेंस शुरू

विकासशील देशों में हेल्थ केयर के अपार अवसर

नव एक्सप्रेस

आईआईएचएमआर यूनिवर्सिटी की दो दिवसीय 21वीं वार्षिक कॉन्फ्रेन्स प्रदन्या की शुरूआत गुरुवार को हुई। उद्घाटन मुख्य अतिथि यूनिवर्सिटी के चेयरमैन डॉ. एस. डी गुप्ता और अध्यक्ष डॉ. विवेक भण्डारी ने किया। इस मौके पर विशेषज्ञों ने कहा कि भारत सहित विकासशील देशों में हेल्थ केयर क्षेत्र में अभी अपार अवसर हैं। नई तकनीकी प्रगति और विकास के बावजूद वहनीय बुनियादी हेल्थ केयर और वेलनेस की पहुंच और दायित्व आज महत्वपूर्ण चुनौती बन गया है। यह हेल्थ केयर क्षेत्र में लक्ष्य प्राप्ति के भी जरूरी हो गया है। यह कॉन्फ्रेंस 'स्मार्ट हेल्थ केयर फॉर इण्डिया' विषय पर आयोजित हुई। डॉ. गुप्ता ने कहा कि भारत में 5000 से भी अधिक सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र और 25,000 प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र हैं। पूरे भारत में कुल मिला कर 1.25 लाख स्वास्थ्य केन्द्र हैं, जो कि विश्व में सबसे बड़ी स्वास्थ्य प्रणाली कही जा सकती है। इस मौके पर डॉ. विवेक भण्डारी ने कहा हैल्थकेयर के क्षेत्र में स्थायित्व विकास एक बड़ी चुनौती है, जिसे हम हैल्थकेयर को प्रबन्धित कर तथा गुणवत्ता में अभिवृद्धि कर हासिल कर सकते हैं।

कॉन्फ्रेंस में स्मार्ट हेल्थ केयर फॉर इंडिया पर फोकस

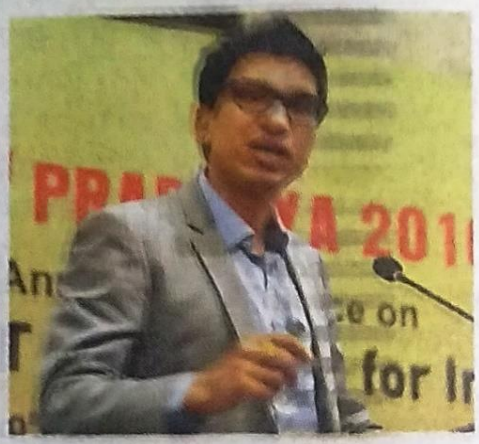

पत्रिका प्लस जयपुर

आईआईएचएमआर यूनिवर्सिटी की वार्षिक कॉन्फ्रेंस 'प्रदन्या-2016' गुरुवार को जेएलएन मार्ग स्थित एक होटल में शुरू हुई। दो दिवसीय कॉन्फ्रेंस का उद्घाटन यूनिवर्सिटी चेयरमैन डॉ. एसडी गुप्ता और अध्यक्ष डॉ. विवेक भंडारी ने किया। कॉन्फ्रेंस का मैन एजेंडा 'स्मार्ट हेल्थ केयर फॉर इंडिया' था, जिसमें एक्सपर्ट्स एंड स्टूडेंट्स के बीच चर्चा हुई। डॉ. गुप्ता ने बताया कि संयुक्त राष्ट्र का वर्ष 2030 तक स्थाई विकास का एजेंडा सभी देशों के लिए अपूर्व संभावनाओं और महत्वाकांक्षाओं के लिए लागू किया है। इस एजेंडा में 17 स्थाई विकास लक्ष्य (एसडीजीएस) तथा 169 लक्ष्य, जिनमें आर्थिक, सामाजिक तथा पर्यावरणीय उद्देश्य शामिल है। केन्द्र बिन्दु स्वास्थ्य है। स्वस्थ्य जीवन सुनिश्चित करना और सभी आयु वर्ग के कल्याण इसमें शामिल है।